शिव स्तुति लिरिक्स | Shiv stuti Lyrics

आशुतोष शशाँक शेखर, चन्द्र मौली चिदंबरा ।
कोटि कोटि प्रणाम शम्भू, कोटि नमन दिगम्बरा ॥

निर्विकार ओमकार अविनाशी, तुम्ही देवाधि देव,
जगत सर्जक प्रलय करता, शिवम सत्यम सुंदरा ॥

निरंकार स्वरूप कालेश्वर, महा योगीश्वरा ।
दयानिधि दानिश्वर जय, जटाधार अभयंकरा ॥

शूल पानी त्रिशूल धारी, औगड़ी बाघम्बरी ।
जय महेश त्रिलोचनाय, विश्वनाथ विशम्भरा ॥

नाथ नागेश्वर हरो हर, पाप साप अभिशाप तम ।
महादेव महान भोले, सदा शिव शिव संकरा ॥

जगत पति अनुरकती भक्ति, सदैव तेरे चरण हो ।
क्षमा हो अपराध सब, जय जयति जगदीश्वरा ॥

जनम जीवन जगत का, संताप ताप मिटे सभी ।
ओम नमः शिवाय मन, जपता रहे पञ्चाक्षरा ॥

आशुतोष शशाँक शेखर, चन्द्र मौली चिदंबरा ।
कोटि कोटि प्रणाम शम्भू, कोटि नमन दिगम्बरा ॥

॥ कोटि नमन दिगम्बरा.. कोटि नमन दिगम्बरा ॥